No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-2

02004

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून - 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.- 2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है। शेष* ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. ***किन्हीं तीन*** पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 12x3=36

(क) तन की दुति स्याम सरोरूह लोचन
कंज की मंजुलताई हरै।
अति सुंदर सोहत धूरि भरे, छबि भूरि अनंग।
की दूरि करैं।
दमकैं दतियाँ दुति दामिनी ज्यों, किलकैं
कित बाल विनोद करैं।
अवधेस के बालक चारि सदा, तुलसी
मन मंदिर में बिहरैं।।

(ख) हीन भये जल मीन अधीन, कहा कछु
यों अकुलानि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास

हैं कायर त्यागत प्रानै।

प्रीत की रीत सो क्यों समुझै जड़

मीत के पान परै को प्रमानै।

या मन की जु दसा, घन आनंद जीव

की जीवनि जान ही जानै।।

(ग) कहता है कौन कि भाग्य ठगा है मेरा

वह सुना हुआ भय दूर भगा है मेरा

कुछ करने में अब हाथ लगा है मेरा

वन में ही तो गार्हस्थ्य जगा है मेरा

वह बधू जानकी बनी आज यह जाया।

मेरी कुटिया में राजभवन मन भाया।

फल फूलों से हैं लदी डालियाँ मेरी,

वे हरी पत्तियाँ, भरी थालियाँ मेरी।

मुनि बालाएँ हैं, यहाँ आलियाँ मेरी

तटिनी की लहरें और तालियाँ मेरी।

(घ) अबे, सुन बे गुलाब

भूल मत, गर पाई खुशबू रंगों आब

खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट

डाल पर इतरा रहा है कैपीटलिस्ट

कितनों को तूने बनाया है गुलाम

माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा घाम।

(ङ) भूल गलती

आज बैठी है निरह बख्तर पहनकर

तख्त पर दिल के,

चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,

आँखें चिलकती हैं नुकीले तेज - पत्थर सी

खड़ी हैं सिर झुकाए

सब कतारें

बेजुबाँ बेबस सलाम में,

अनगिनत खम्भों व मेहराबों - थमे।

दरबारे आम में।

सामने

बेचैन घावों की अजब तिरछी लकीरों से कहा

चेहरा

कि किस पर काँप

दिल की भाफ उठती ...."

(च) हाय, पितामह, हार किसकी हुई यह ?

ध्वंस- अवशेष पर सिर धुनता है कौन ?

कौन भस्म राशि में विफल सुख ढूँढ़ता है

लपटों से मुकुट का पट बुनता है कौन ?

और बैठ मानव की रक्त सरिता के तीर

नियति के व्यंग्य भरे अर्थ गुनता है कौन ?
कौन देखता है शवदाह बंधु बांधवों का
उत्तरा का करुण विलाप सुनता है कौन ?

2. भक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए भक्तिकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 16

3. कबीर काव्य के ज्ञान पक्ष और सामाजिक पक्ष का विवेचन कीजिए। 16

4. 'रहीम के काव्य में लोक जीवन और नीति दोनों का समावेश है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

5. बिहारी के काव्य सौन्दर्य का निरूपण कीजिए। 16

6. छायावादी काव्य के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. महादेवी के काव्य में विरह-वर्णन पर एक आलेख लिखिए। 16

8. अज्ञेय की काव्य संवेदना और शिल्प पर प्रकाश डालिए। 16

9. प्रतिपाद्य की दृष्टि से कुरुक्षेत्र का विवेचन-मूल्यांकन कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए। 8x2=16

(क) आदि काव्य (ख) मीराबाई

(ग) पद्मावत (घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

(ङ) पद्माकर